प्रतिदर्श प्रश्न पत्र
परीक्षा - 2017-18
हिन्दी- 'आधार'
कक्षा बारहवी

समय 3 घंटे　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　अधिकतम अंकः 100

1	**निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए** अरस्तू के अनुसार त्रासदी के छह आवश्यक तत्व हैं: कथानक, चरित्र, विचार, संभाषण, संगीत और दृश्यता। इनमें से पहले तीन तत्वों को कलाकृति के आंतरिक तत्वों के रूप में लिया जा सकता है और शेष तीन तत्वों को उसके बाहरी तीन तत्वों के रूप में। यह कहने की आवश्यकता नहीं कि बाहरी तत्वों की अपेक्षा आंतरिक तत्वों का महत्व कहीं ज्यादा हुआ करता है। इन आंतरिक तत्वों में भी सबसे पहले क्रम पर अरस्तु ने कथानक को रखा है। ध्यान देने की बात है कि अरस्तु ने कहानी की अपेक्षा कथानक शब्द का प्रयोग किया है। प्रायः हम कहानी और कथानक इन दोनों शब्दों को एक ही अर्थ में इस्तेमाल करने के आदी है, लेकिन देखा जाए तो उन दोनों में बहुत अंतर है। कहानी का किसी कृति की संपूर्णता से संबंध है जबकि कथानक का संबंध उस संपूर्ण कहानी में से लिए गए किसी प्रसंग विशेष से हुआ करता है। यदि इसी बात को लेकर यूनानी नाटकों का उदाहरण दिया जाए तो राजा ईडिपस की तीन चौथाई कहानी नाटक आरंभ होने से पहले ही घटित हो चुकी है। नाटककार ने मात्र राजा ईडिपस द्वारा सत्य का पता लगाने से सम्बद्ध घटनाओं को अपने नाटक का आधार बनाया है। स्पष्ट है कि उसने एक संपूर्ण रचना में से प्रसंग विशेष का चयन किया । अरस्तू का मानना है कि कथानक ही सबसे मुख्य तत्व है जिस पर बाकी सारे तत्व आश्रित रहते हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो कथानक नाटक के शरीर की तरह है जिसमें बाकी सारे अंग जुडे रहते है। यहाँ हम याद कर सकते हैं कि भारत ने भी नाटक के शब्दों को उसके शरीर की संज्ञा दी है। इसमें कोई संदेह नहीं कि किसी भी नाटक की समीक्षा अथवा आलोचना के लिए कथानक ही उस पहली कड़ी का काम करता है जिसके माध्यम से हम उसके दूसरे तत्वों तक पहुँचते हैं।	15
(क)	कलाकृति के आंतरिक तत्व से आप क्या समझते हैं ?	2
(ख)	बाहरी तत्वों की अपेक्षा आंतरिक तत्वों का महत्व ज्यादा होता है - कैसे ?	2
(ग)	कथानक से आप क्या समझते हैं?	2
(घ)	कहानी और कथानक के अंतर को स्पष्ट कीजिए।	2
(ड़)	नाटक के शब्दों को 'नाटक का शरीर' क्यों कहा गया है?	2

(च)	नाटक के लिए कथानक को आप कितना महत्वपूर्ण मानते हैं?	2
(छ)	त्रासदी के तत्वों में चरित्र और विचार संभाषण में क्या अंतर है?	2
(ज)	गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।	1
2	निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिएः हमारी सोच के दायरे में हमारे रिश्तों के बेशकीमती नगीने हैं मैं इसे छू लेना चाहती हूँ चलना चाहती हूँ साथ-साथ तुम्हारी परछाई की तरह हमारे फूल-तुम्हारे नक्शे तुम उलझे हुए आदमी हो तुम सुलझा नहीं सके समय की लट को तुमने नहीं सीखा खुशियों से खेलना तुम्हे नहीं आता सीधे-सरल सवालों के जवाब देना तुमने तो यह भी नहीं समझा कि डूबते हुए आदमी को तिनके का सहारा होता है तुमने नहीं सीखा समंदर में उतरना झंझावत भंवर कुंड से नाव को बचाना सीखा है बंद सात कोठरी के भीतर चीखों को बंद करना तुमने सीखा है अंकुश के बालों से सीने छलनी करना सीख लिया गर्म कोलतार जैसे परमादेशों को देह पर कैसे दागा जाता तुमने अपनी निजी संस्कृति के हवन कुंड में जिंदा लोगों की आहुतियाँ दी हैं....... पर वर्तमान को यह पसंद नहीं उगते हुए पौधे तुम्हारे साए के पीछे-पीछे चल रहे हैं वह दिन दूर नहीं जब हमारी फुलवारी के फूल तुम्हारे बनाए नक्शों को रौंदेंगे......	1X5=5
(क)	रिश्ते की तुलना नगीने से क्यों की गई है?	1
(ख)	मनुष्य समय की लट को क्यों नहीं सुलझा पाता?	1

(ग)	तुमने नहीं सीखा समंदर में उतरना - का भाव स्पष्ट कीजिए।	1
(घ)	कविता में प्रयुक्त भंवर और कुंड के प्रतीकार्थ स्पष्ट कीजिए।	1
(ड़)	फुलवारी के फूल किसे कहा गया है?	1
	खंड - ख	
3	निम्नलिखित विषय में से किसी एक पर अनुच्छेद लिखिए क) भारत युवाओं का देश ख) प्रगति-पथ पर भारत ग) भारतीय सैनिक घ) जनता की भाषाः हिन्दी	5
4.	सार्वजनिक स्थलों पर व्याप्त गंदगी की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए तथा उसे स्वच्छ रखने के उपाय सुझाते हुए किसी दैनिक पत्र के संपादक को पत्र लिखिए। अथवा दूरदर्शन केन्द्र के निदेशक को प्रयोजित क्रिकेट मैच का प्रसारण करने का आग्रह करते हुए पत्र लिखिए।	**5**
5	'अभिव्यक्ति और माध्यम' पुस्तक के आधार पर संक्षेप में उत्तर लिखिए	**1x5=5**
क)	पत्रकार के दो प्रकार लिखिए	
ख)	'पेज थ्री पत्रकारिता' से क्या अभिप्राय है	
ग)	फ्रीलांसर किसे कहते है	
ध)	इंटरनेट के लोकप्रिय होने के दो कारणों का उल्लेख कीजिए।	
ड़)	रेडियो की भाषा पर टिप्पणी कीजिए।	
6	'मजदूरों की समस्या' अथवा 'गाँव में गंदगी की समस्या' विषय पर एक आलेख तैयार कीजिए	**5**
7	'भारत में कौशल विकास' अथवा 'गाँव में मजदूरों की कमी' विषय पर एक फीचर तैयार कीजिए	**5**
	खंड - ग	
8	निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिएः अट्टालिका का नहीं है रे आतंक भवन सदा पंक पर ही होता जल-विपल्व प्लावन क्षुद्र प्रफुल्ल जलज से सदा छलकता नीर	**2x4=8**

	रोग शोक में भी हँसता है शैशव का सुकुमार शरीर	
क)	कवि आतंक भवन किसे मानता है और क्यों?	
ख)	'पंक' और 'जलज' का प्रतीकार्य क्या है? स्पष्ट कीजिए।	
ग)	भाव स्पष्ट कीजिए- रोग-शोक में भी हँसता है शैशव का सुकुमार शरीर।	
घ)	पंक का क्या अर्थ है? यहाँ किस संदर्भ में प्रयोग हुआ है?	
	अथवा हो जाए न पथ में रात, कहीं मंजिल भी तो है दूर नहीं. यह सोच थका दिन का पंथी भी जल्दी-जल्दी चलता है। दिन जल्दी-जल्दी ढलता है। बच्चे प्रत्याशा में होंगे नीडों से झाँक रहे होंगे यह ध्यान परों में चिड़ियों के भरता कितना चंचलता है। दिन जल्दी-जल्दी ढलता है।	
क)	पंथी क्या सोच रहा है और क्यों ?	
ख)	बच्चे नीडों से क्यों झाँकते होंगे?	
ग)	कवि को किस बात की चिंता है और क्यों?	
ध)	चिडियाँ चंचल क्यों हो रही हैं?	
9	निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए प्रभु प्रताप सुनि कान विकल भए वानर निकर आइ गयउ हनुमान जिमि करूना महँ वीर रस।	**2x3=6**
क)	भाषिक सौन्दर्य पर टिप्पणी कीजिए।	
ख)	काव्यांश का भाव सौन्दर्य लिखिए	
ग)	काव्यांश में प्रयुक्त अलंकार की विशेषता बताइए। अथवा बहुत काली सिल जरा से लाल केसर से कि जैसे धुल गई हो	

	स्लेट पर या लाल खडिया चाक मल दी हो किसी ने नील जल में या किसी की गौर झिलमिल देह जैसे हिल रही हो।	
क)	'उत्प्रेक्षा अलंकार' के दो उदाहरण चुनकर लिखिए	
ख)	कविता की भाषा पर टिप्पणी कीजिए।	
ग)	काव्यांश का भाव सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए।	
10	निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए	**3+3=6**
क)	'भाषा को सहूलियत' से बरतने से क्या अभिप्राय है	
ख)	जन्म से ही वे अपने साथ लाते हैं कपास - पंक्ति भाव कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए	
ग)	कैमरे में बंद अपाहिज करूणा के मुखौटे में छिपी क्रूरता की कविता है - कैसे?	
11	निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए पिता का उस पर अगाध प्रेम होने के कारण स्वभावतः ईर्ष्यालु और संपति की रक्षा में सतर्क विमाता ने उनके मरणांतक रोग का समाचार तब भेजा, जब वह मृत्यु की सूचना भी बन चुका था। रोने पीटने के अपशकुन से बचने के लिए सास ने भी उसे कुछ न बताया। बहुत दिन से नैहर नहीं गई, सो जाकर देख आवे, यही कहकर और पहना-उढ़ाकर सास ने उसे विदा कर दिया। इस अप्रत्याशित अनुग्रह ने उसके पैरो में जो पंख लगा दिए थे, वे गाँव की सीमा में पहुँचते झड़ गए। 'हाय, लछमिन अब आई' की अस्पष्ट पुनरावृत्तियाँ और स्पष्ट सहानुभूतिपूर्ण दृष्टियाँ उसे घर तक ठेल ले गई। पर वहाँ न पिता का चिह्न शेष था, न विमाता के व्यवहार में शिष्टाचार का लेश।	**2x4=8**
क)	पिता की मृत्यु का समाचार विमाता ने भक्तिन को देर से क्यों दिया?	
ख)	अप्रत्याशित अनुग्रह का भाव भक्तिन के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।	
ग)	'पैरो में पंख लगना' – से अप क्या समझते हैं? भक्तिन के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।	
घ)	गाँव पहुँचने पर गाँव वालों की प्रतिक्रिया कैसी थी और क्यों?	
12	निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए	**3x4=12**
क)	जेब भरी हो, और मन खाली हो, ऐसी हालत में जादू का असर खूब होता है - बाजार दर्शन पाठ के आधार पर आशय स्पष्ट कीजिए।	
ख)	लोगों ने लडकों की टोली को मेढक-मंडली नाम किस आधार पर दिया और क्यों?	

ग)	ढोलक की आवाज का पूरे गाँव पर क्या असर होता था ?	
घ)	लेखक ने चार्ली का भारतीयकरण किसे कहा और क्यों। गाँधी और नेहरू ने भी उनका सानिध्य क्यों चाहा?	
(ड)	लाहौर अभी तक मेरा वतन है और देहली मेरा था मेरा वतन ढाका है - जैसे उद्‌गार किस सामाजिक यथार्थ का संकेत करते है?	
13	'सिल्वर वैडिंग ' के आधार पर उन जीवन मूल्यों पर विचार कीजिए, जो यशोधर बाबू को किशन दा से उत्तराधिकार में मिले थे। आप उनमें से किसे अपनाना चाहेंगे?	**5**
14 क)	'जूझ' का कथानायक विद्यार्थियों के लिए एक आदर्श प्रेरणास्रोत है - कैसे?	**5**
ख)	मुअनजोदड़ो की सभ्यता पूर्ण विकसित मानव सभ्यता थी - कैसे?	**5**

उत्तर संकेत
सत्रांत परीक्षा - 2017-18
हिन्दी- 'आधार'
कक्षा बारहवीं

समयः 3 घंटे **अधिकतम अंक 100**

1. (क)	• कलाकृति के निर्माण के प्रमुख साधन • जिसको आधार बनाकर कला का सृजन • कला की आत्मा, भावपक्ष	2
(ख)	• कलाकृति के निर्माण में आंतरिक तत्वों का महत्व अधिक • बाहरी तत्व से कला का प्रदर्शन • जबकि आंतरिक तत्व कला को गरिमा प्रदान करने में सहायक।	2
(ग)	• कहानी जिस प्रसंग विशेष पर बुनी जाती है • कहानी को आधार प्रदान करने वाला तत्व	2
(घ)	कहानी किसी रचना की संपूर्णता से संबंध रखती है, जबकि कथानक उस रचना के किसी विशेष प्रसंग से संबंध रखता है।	2
(ड़)	• नाटक के शब्दों द्वारा ही नाटक को प्रस्तुत करना • कथानक आदि तत्व का आधार शब्द • शब्दों के माध्यम से कथ्य की अभिव्यक्ति का होना।	2
(च)	• कथानक नाटक को शरीर की तरह • कथानक से ही कृति का आरंभ • आलोचना, समालोचना, समीक्षा आदि के लिए कथानक पहली कडी। आदि।	2
(छ)	• कहानी में प्रयुक्त पात्रों को चरित्र कहा गया है। • पात्रों के बीच होने वाले संवाद को विचार-संभाषण कहा गया है।	2
(ज)	'कथानक का महत्व' आदि (कोई भी उचित शीर्षक स्वीकार)	1
2 (क)	रिश्ते की खूबसूरती तथा महत्व बताने के लिए।	1X5=5
(ख)	स्वार्थ की भावना मे डूबे होने के कारण (अन्य अपेक्षित उत्तर भी स्वीकार्य)	
(ग)	• जीवन की गहराईयों को नहीं समझने के कारण। • रिश्तों की अहमियत नहीं समझना।	
(घ)	कठिनाइयों के।	
(ड़)	आने वाली पीढ़ी को/ बच्चे को।	
3	विषयवस्तु - 3 भाषा - 1 प्रस्तुति - 1	5

4. (क)	आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ - 01 विषयवस्तु - 3 भाषा - 1	**5**
5 क)	I. अंशकालिक II. पूर्णकालिक	**1x5=5**
ख)	सनसनीखेज पत्रकारिता को	
ग)	भुगतान के आधार पर काम करने वाले पत्रकार	
घ)	• सर्व-सुलभ होना • त्वरित गति से उपलब्ध - आदि	
ड़)	• सहज, सरल, बोधगम्य • आम लोगों को समझ आने वाली	
6	विषयवस्तु - 3 भाषा - 1 प्रस्तुति - 1	**5**
7	विषयवस्तु - 3 रोचकभाषा - 1 प्रस्तुति - 1	**5**
8 क)	• अट्टालिको को • उसमें रहने वाले धनि वर्ग शोषक • गरीबों के शोषण के कारणों का केन्द्र	**2x4=8**
ख)	'पंक' - गरीब/शोषित जलज - धनि वर्ग/ शोषक	
ग)	गरीब आदमी कठिनाइयों में भी हँसता रहता है।	
घ)	• कीचड़ • यहाँ शोषितों के संदर्भ में प्रयुक्त हुआ है।	
	अथवा	
क)	• अपने लक्ष्य तक पहुँचने के बारे में सोच रहा है। • समय के रहते लक्ष्य तक पहुँचना चाहता है।	
ख)	• दाना-पानी की आशा में • अपने माता-पिता के आने की प्रतीक्षा में।	
ग)	• समय पर मंजिल तक पहुँचने की चिंता • समय पर कार्य नहीं होने से व्यक्ति का परिश्रम बेकार चला जाता है।	
घ)	• अपने बच्चे को याद कर • घर पहुँचने को लेकर	

9. क)	• अवधी भाषा • सोरठा छंद • शोक और उत्साह का भाव	**2x3=6**
ख)	भगवान राम के प्रलाप को सुनकर वहाँ उपस्थित सभी वानर, भालू दुखी हो रहे थे। उसी समय हनुमान पहुँच गए। उनके पहुँचने से दुखी लोगों के मन में उत्साह का संचार हो गया।	
ग)	उत्प्रेक्षा अलंकार, अनुप्रास अलंकार	
	अथवा	
क)	• बहुत काली सिल जरा से लाल केसर से कि जैसे धुल गई हो। • नील जल में या किसी की गौर झिलमिल देह जैसे हिल रही हो।	
ख)	• खड़ी बोली • सहज सरल भाषा • चित्र बिम्ब का प्रयोग	
ग)	विभिन्न जीवंत प्राकृतिक एवं मांसल प्रयोग द्वारा उषा का वर्णन	
10. क)	• भाव के अनुसार भाषा का प्रयोग • अभिव्यक्ति में सावधानी रखना • भाषा का उचित और सारगर्भित प्रयोग आवश्यक।	**3+3=6**
ख)	• बच्चों का स्वभाव कपास की तरह • जन्म से ही निडर, कल्पनाशील और चंचल होते हैं। • वे निश्छल तथा मानव-मूल्यों को अपनायें होते हैं।	
ग)	• मीडिया की क्रूरता को बताया गया है। • मीडिया को मनुष्य, समाज आदि की चिंता न होकर मुनाफे की चिंता • अपाहिजों की संवेदनाओं को बेचने का अमानवीय कृत्य।	
11. क)	• पिता से भक्तिन का अगाध प्रेम • विमाता का ईष्यालु होना • संपत्ति के प्रति मोह	**2x4=8**
ख)	• एकाएक कृपा तथा प्रेम का भाव • पिता की मृत्यु का समाचार सुनकर भक्तिन द्वारा रोने को अपशकुन मानना।	
ग)	• खुशी तथा उत्साह के भाव के साथ जल्दी जल्दी जाना • मायके जाने की खुशी ने भक्तिन को उत्साह से भर दिया।	
घ)	• अफसोस और निराशा का भाव • भक्तिन से हमदर्दी तथा सहानुभूति की भावना	
12. क)	• जेब में पैसा होना • वस्तुओं के प्रति लालच और समेट लेने की भावना	**3x4=12**

	• मन से खाली मनुष्य पर बाजार का असर अधिक होता है • जेब में पैसे होने पर सब कुछ खरीद लेने की इच्छा को हम नहीं रोक पाते।	
ख)	• नग्नस्वरूप शरीर, उछलकूद, शोर-शराबे के साथ कीचड-कादों में सने होने के कारण • वे सोलह-अठारह बरस के लडके कीचड में सने शोर करते रहते थे।	
ग)	• गाँव वालों में जीने की शक्ति भरती थी। • बूढ़े बच्चे जवान की आँखो में चमक • मृत्यु से भयमुक्त होना	
घ)	• अमिताभ बच्चन, दिलीप कुमार आदि कलाकार को • उन्होंने चार्ली के अभिनय से प्रेरित हो भारतीय सिनेमा में अभिनय किया। • चार्ली की स्वीकृति तथा अभिनय कला में मानवीय पत्र को ज्यादा महत्व • दर्शक का एक बड़ा वर्ग - आम से लेकर खास तक होने के कारण	
(ड)	• मनुष्य के हृदय में व्याप्त प्रेम, सहयोग तथा मानवीय भावनाओं को नहीं बाँटा जा सकता • राजनीतिक कारणों से चाहे धरती जितना बँट जाए, लेकिन मनुष्य की संवेदना एक है। • समाज का निर्माण प्रेम, सहयोग, भाईचारे जैसे मूल्यों से, राजनीतिक हलचलों से नहीं।	
13	विद्यार्थियों की समझ तथा अभिव्यक्ति के आधार पर मूल्यांकन स्वीकार्य।	**5**
14 क)	• साहस, परिश्रम, लगन तथा अनुशासन जैसे मूल्यों के आधार पर कहानी का नायक सफलता प्राप्त करता है • विद्यार्थियों द्वारा इन मूल्यों के आधार पर सफलता प्राप्त की जा सकती है।	**5**
ख)	• योजनानुसार शहरों का निर्माण • चौडी सडकें, नालियाँ, भंडार-गृह आदि का होना • धार्मिक, समाजिक नियमों के अनुसार जीवन संचालन • समृद्ध एवं सुसंस्कृत समाज के अनेकों अवशेष मिले हैं। आदि (अन्य बिन्दु भी स्वीकार्य)	**5**